BK-21 C-104 Hindi SYBA

KL3AGZ

समय : २ घंटे | पूर्णांक : ५०

प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :- (१४)

अ. "खुद तो लीक से हटकर चली थी ..... सारी जिन्दगी इस बात की घुट्टी पिलाती रही, पर मैंने जैसे ही अपना पहला कदम रखा, घसीटकर मुझे अपनी ही खींची लीक पर लाने के दंद-फंद शुरु हो गए।"

अथवा

"तुम भी सोचोगे कि मैं जब-तब बस पैसे का ही रोना रोती हूँ। पर तुम्हीं बताओं, क्या करुँ, महँगाई का तो कोई ठिकाना नहीं । तीन बच्चों का और अपना पेट कैसे भरती हूँ, मैं ही जानती हूँ ।"

आ) "क्या जवाब दूँ बाबूजी ! जब कुर्सी - मेज बिकती है तब दुकानदार कुर्सी-मेज से कुछ नहीं पूछता, सिर्फ खरीददार को दिखला देता है । पसन्द आ गई तो अच्छा है वरना....."

अथवा

"जिन्दगी मेरे लिए बोझ बन गई है । कोई रास्ता नहीं चाहे खुशी से हो चाहे मजबूरी से-इसे बिताना ही होगा।"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२०)

क) 'बंद दराज़ों का साथ' कहानी के जीवन-दर्शन पर प्रकाश ड़ालिए ।

अथवा

'शायद' कहानी के राखाल का चरित्र -चित्रण कीजिए ।

ख) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के सामाजिक व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'संस्कार और भावना' एकांकी के जीवन-दर्शन को अपने शब्दों में लिखिए ।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (१०)

त) 'शेराबाबू' का व्यक्तित्व

अथवा

'राखाल' का चरित्र-चित्रण

थ) रौशन का चरित्र।

अथवा

स्त्री पुरुष ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए :- (६)

१. 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' यह पुस्तक किसने लिखी ?
२. दराज़ किसे कहते है ?
३. 'क्षय' की बिमारी किसे हुई थी ?
४. 'तनु' किससे प्रेम करती थी ?
५. 'आठ एकांकी' के सम्पादकों का नाम लिखिए ।